शांति बहाली के लिए तालिबान से अमेरिका ने फिर शुरू की बातचीत

शांति वार्ता

अफगानिस्तान में 18 साल से जारी खूनी संघर्ष को खत्म करने के प्रयास

■अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियाई प्रोफेसरों की रिहाई के बाद तालिबान के साथ वार्ता दोबारा शुरू करने की दी जानकारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को बताया कि अमेरिका ने तालिबान के साथ शांति वार्ता फिर शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, हम तालिबान के साथ एक समझौते पर काम कर रहे हैं। ट्रंप ने गत सितंबर में इस आतंकी संगठन के साथ वार्ता रद्द कर दी थी।

ट्रंप ने अमेरिकी और ऑस्ट्रेलियाई प्रोफेसरों की रिहाई के बाद तालिबान के साथ वार्ता दोबारा शुरू करने की जानकारी दी। उन्होंने फॉक्स न्यूज के एक कार्यक्रम में कहा, देखते हैं क्या होता है। तालिबान ने बीते मंगलवार को अमेरिका के केविन किंग और ऑस्ट्रेलिया के टिमोथी वीक्स को अफगानिस्तान में अमेरिकी बलों के हवाले कर दिया था। ये दोनों काबुल स्थित अमेरिकी यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे।

उन्हें अगस्त, 2016 में सेना की वर्दी में आए बंदूकधारियों ने अगवा कर लिया था। इनकी रिहाई के बदले में अफगान सरकार ने तालिबान से जुड़े हक्कानी नेटवर्क के तीन आतंकी छोड़े थे। तालिबान ने इस हफ्ते दस अफगान सैनिकों को भी छोड़ा था। बंदियों की अदला–बदली के इस कदम के बाद अमेरिका और तालिबान के बीच शांति वार्ता दोबारा शुरू होने की उम्मीद जगी थी।

इस कारण रद्द की थी वार्ता

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गत आठ सितंबर को तालिबान के साथ शांति वार्ता रद्द कर दी थी। अफगानिस्तान में तालिबान के हमले में एक अमेरिकी सैनिक की मौत के बाद उन्होंने यह कदम उठाया था। यह वार्ता ऐसे समय रद्द हुई, जब अमेरिका और तालिबान शांति समझौते के बेहद करीब दिख रहे थे।

गत दिसंबर में से चल रही थी वार्ता

अफगानिस्तान में 18 साल से जारी खूनी संघर्ष को खत्म करने के प्रयास में अमेरिका और तालिबान के बीच गत दिसंबर से शांति वार्ता चल रही थी, लेकिन ट्रंप ने इस साल सितंबर में यह वार्ता रद्द कर दी थी। यह वार्ता कतर की राजधानी दोहा में चल रही थी। इसमें अमेरिकी पक्ष की अगुवाई विशेष दूत जालमे खलीलजाद कर रहे थे। हालांकि इस वार्ता में तालिबान के विरोध के चलते अफगान सरकार को शामिल नहीं किया गया था।

न्यूज डायरी

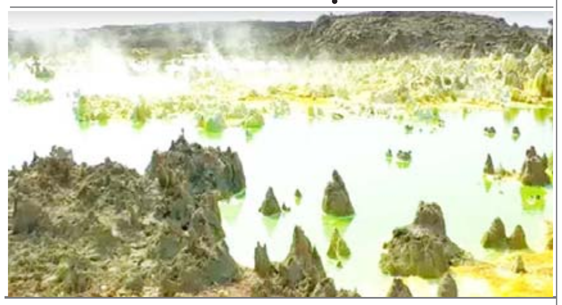

पृथ्वी पर भी है मंगल ग्रह जैसी जगह, जहां जीवन है नामुमकिन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। शोधकर्ताओं ने पृथ्वी पर एक ऐसा जलीय वातावरण खोज निकाला है जहां जीवन की संभावना शून्य है। इस खोज का उद्देश्य जीवन की संभावनाओं को कम करने वाले घटकों के बारे में शुरुआती जानकारी पाना है। नेचर इकॉलॉजी ऐंड इवोल्यूशन नामक पत्रिका में प्रकाशित इस अध्ययन से पता चला है कि इथियोपिया के डैलोल के जियो–थर्मल क्षेत्र के गर्म, खारे, बहुत ज्यादा ऐसिडिक प्रॉपर्टीज वाले तालाबों में जीवन पूरी तरह से असंभव है। इन तालाबों में किसी भी प्रकार के सूक्ष्म जीव भी उपस्थित नहीं थे। स्पैनिश फाउंडेशन फॉर साइंस ऐंड टेक्नॉलजीश(एफईसीवाईटी) के अनुसंधानकर्ताओं ने बताया कि डैलोल क्षेत्र नमक से भरे ज्वालामुखी के मुख यानि क्रेटर पर स्थित है। हाइड्रोथर्मल ऐक्टिविटीज के कारण इस क्रेटर से लगातार उबलता पानी और जहरीली गैसें निकलती रहती हैं। उन्होंने बताया कि सर्दियों में भी इस स्थान का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक होता है और यह पृथ्वी पर स्थित सबसे गर्म वातावरण वाले क्षेत्रों में से एक है।

दक्षिण कोरिया, जापान के नेता शिखर वार्ता के लिए राजी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नागोया। जापान और दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री अपने नेताओं के बीच अगले महीने शिखर सम्मेलन आयोजित करने पर शनिवार को सहमत हुए। सोल द्वारा एक महत्वपूर्ण सैन्य समझौता करने के बाद तनाव कम करने के लिए यह सहमति बनी है। प्रधानमंत्री शिंजो आबे और राष्ट्रपति मून जाये के बीच अगले महीने चीन में बैठक हो सकती है। दोनों देशों के मंत्री जापान के नागोया में जी–20 बैठक के इतर इस मुलाकात के लिए राजी हुए। जापान के एक राजनयिक ने अपना नाम उजागर नहीं करते हुए बताया कि अगले महीने जापान–चीन–दक्षिण कोरिया त्रिपक्षीय वार्ता के अवसर पर शिखर सम्मेलन आयोजित होगा। क्षेत्र में अमेरिका के दोनों प्रमुख सहयोगियों के बीच हाल के महीने में व्यापार और युद्ध के समय जापान के अत्याचारों को लेकर संबंध तनावपूर्ण हो गए थे।

चिली में प्रदर्शन का पांचवां हफ्ता, हिंसक प्रदर्शनों में अब तक 23 की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सैंटियागो। चिली में हिंसक अशांति में मरने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गयी। देश में सामाजिक अशांति का यह पांचवा सप्ताह है। दक्षिणी अमेरिकी देश के सभी शहरों में लूटपाट और प्रदर्शन हो रहे हैं। चिली में नये संविधान का मसौदा तैयार करने को लेकर राजनीतिक खाके पर समझौते के बावजूद न तो लोगों की नाराजगी कम हुई है और न ही रक्तपात में कमी आयी है। सामाजिक एवं आर्थिक असमानता तथा देश के गिने चुने रईस परिवारों से राजनैतिक कुलीन वर्गों के विरोध में चिली में 18 अक्टूबर से प्रदर्शन हो रहे हैं। तीन दशक के चिली के लोकतंत्र में यह सबसे भीषण संकट है। प्रदर्शनों में करीब 2,000 लोग घायल हुए हैं, इनमें 280 वैसे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने पेलेट गन की चपेट में आने से अपनी आंखें गंवाई हैं। शुक्रवार को मरने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गयी। राष्ट्रपति सेबेस्टियन पिनेरा की सरकार ने एक बार फिर लोगों से शांति बनाये रखने की अपील की।

अलग देश बनने को लेकर बोगनविले में जनमत संग्रह के लिए मतदान आरंभ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बुका। बोगनविले के पापुआ न्यू गिनी में अधिक स्वायत्तता या पूर्ण स्वतंत्रता को लेकर बहुप्रतीक्षित जनमत संग्रह के लिए शनिवार को मतदान आरंभ हुआ। बुका में मतदान केंद्र पर सुबह ही 1000 से अधिक लोगों को पंक्ति में खड़े देखा गया। मतदान करने आए मतदाता स्वतंत्रता के समर्थन में झंडे फहराते और गीत गाते नजर आए। क्षेत्र में स्थापित किए गए 21 मतदान केंद्रों पर इसी प्रकार का नजारा देखने को मिला। बुका के छोटे द्वीपों से लोगों को मतदान के लिए शहर लाने की खातिर दर्जनों नौकाओं का प्रयोग किया गया। इन नौकाओं पर स्वतंत्रता के समर्थन में झंडे लगे थे। बोगेनविले के करीब दो लाख 70 हजार लोग आगामी दो सप्ताह तक चलने होने वाले मतदान के लिए पंजीकृत हैं।

पाक में महंगाई की मार, इमरान ने पुरानी सरकारों पर फोड़ा ठीकरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि देश में महंगाई के ताजा हालात पिछली सरकारों की गलत आर्थिक नीतियों की वजह से हैं और नकदी संकट से जूझ रहा देश जल्दी ही इस समस्या से उबर जाएगा।

पंजाब प्रांत में अपने गृहनगर मियांवाली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए खान ने कहा कि उनकी सरकार को कम विदेशी मुद्रा भंडार, वित्तीय और चालू खाता घाटा सहित तमाम आर्थिक समस्याएं विरासत में मिली हैं। उन्होंने कहा कि अगस्त 2018 में जब तहरीक–ए–इंसाफ की सरकार सत्ता में आई तब पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था खराब हालत में थी।

खान ने कहा कि पिछली सरकार आरक्षित डॉलर खर्च का इस्तेमाल पाकिस्तानी रुपये को स्थिर रखने के लिए करती थी लेकिन उनकी सरकार जब सत्ता में आई तो पर्याप्त विदेश मुद्रा भंडार नहीं था। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसका नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तानी रुपये का डॉलर के मुकाबले 35 फीसदी अवमूल्यन हुआ और महंगाई बढ़ी। इमरान खान ने कहा कि अर्थव्यवस्था सुधार के रास्ते पर है और सरकार की ओर से उठाए गए कदम का असर दिखने लगा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी रुपये की कीमत स्थिर हुई है और चार साल में पहली बार चालू खाता घाटे में कमी आई है।

सिखों के 90 फीसदी धरोहर स्थल पाकिस्तान में स्थित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेशावर। भारतीय मूल के ब्रिटिश इतिहासकार एवं लेखक बॉबी सिंह बंसल ने दावा किया है कि सिखों के 90 प्रतिशत धरोहर स्थल पाकिस्तान में स्थित हैं, जिनमें से ज्यादातर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हैं। इसके साथ ही उन्होंने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के महत्व को भी रेखांकित किया। पेशावर संग्रहालय के विक्टोरिया मेमोरियल हॉल में करतारपुर से खैबर दर्रे तक नामक एक संगोष्ठी में बोलते हुए, इतिहासकार ने सिख काल के स्मारकों, किलों, युद्धक्षेत्रों, धार्मिक स्थलों, गुरुद्वारों और हवेलियों का जिक्र किया।

ओबीओआर को लेकर चीन की नीयत पर अमेरिका ने उठाया सवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका की एक शीर्ष राजनयिक ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में ओबीओआर पहल को देखने के बाद चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की उदारता पर सवाल उठाने की वजहें हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजिंग ने कर्ज देने के लिए कभी भी वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त पारदर्शी प्रक्रियाओं का समर्थन नहीं किया।

ओबीओआर चीन की सरकार द्वारा अपनाई वैश्विक विकास रणनीति है जिसमें 152 देशों और एशिया, यूरोप, पश्चिम एशिया और अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय संगठनों में बुनियादी ढांचा विकास और निवेश करना शामिल है।

दक्षिण और मध्य एशिया के लिए कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस वेल्स ने विल्सन सेंटर थिंक टैंक के एक कार्यक्रम में कहा कि दुनियाभर में और निश्चित तौर पर दक्षिण व मध्य एशिया में चीन अन्य देशों को ओबीओआर समझौतों पर हस्ताक्षर करने पर जोर दे रहा है। इसके लिए वह शांति, सहयोग, खुलेपन, समावेशिता जैसी बातों का हवाला दे रहा है। वेल्स ने कहा, श्यह सुनने में काफी अच्छा लगता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ओबीओआर की प्रक्रिया को देखने के बाद चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी की उदारता पर सवाल करने की वजहें हैं।श उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए चीन कर्ज के तौर पर अच्छे खासे वित्त पोषण की पेशकश करता है लेकिन वह पेरिस क्लब का सदस्य नहीं है और उसने कर्ज देने के लिए कभी भी वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त पारदर्शी प्रक्रियाओं का समर्थन नहीं किया।

चीन ने दुनियाभर में पांच हजार अरब डॉलर का कर्ज दे रखा है। श्रीलंका में भी हम्बनटोटा बंदरगाह के संबंध में बीजिंग ने सरकार को एक अरब डॉलर से अधिक का कर्ज दिया।

भारतीय मूल के व्यक्ति को कोर्ट ने बलात्कार का दोषी ठहराया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यू यॉर्क। न्यू यॉर्क में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को एक महिला के साथ बलात्कार करने का दोषी ठहराया गया है। ऐक्टिंग क्वींस डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी जॉन रेयान ने कहा कि पेंसिल्वेनिया के अशोक सिंह (58) को दो सप्ताह तक चले मुकदमे के बाद बलात्कार और गैरकानूनी ढंग से बंधक बनाने का दोषी पाया गया। उसे अगले महीने सजा सुनाई जाएगी और उसे 25 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। मुकदमे के अनुसार, दिसंबर 2015 में सिंह ने पीड़िता से मुलाकात की थी, जो किराए के एक अपार्टमेंट की तलाश में थी और तब इस व्यक्ति ने उस महिला को रहने के लिए जगह खोजने में मदद करने की पेशकश की थी। चार दिन बाद सिंह ने 40 वर्षीय महिला को बुलाया और उसे बताया कि उसे एक जगह मिल गई है और उसे तुरंत वहां जाना होगा। बाद में वह खाना और शराब लेकर उसके अपार्टमेंट में गया। क्वींस डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी कार्यालय के मुताबिक, पीड़िता ने जब सिंह के साथ शराब पीने से इनकार कर दिया, तो वह गुस्से में आ गया और उसके साथ बलात्कार किया।